पंजाब केसरी
SUN,30 JULY 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में नींव का पत्थर साबित होगी: प्रो. टंकेश्वर

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में नींव का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में शोध, नवाचार और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में अध्ययन का प्रावधान किया गया है जिससे विद्यार्थी विषय को ओर प्रभावी ढंग से समझ सकेंगे।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में जुटा हुआ है। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. दिनेश चहल, प्रो. दिनेश कुमार सहित विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुनते हकेंवि का स्टाफ।

नई शिक्षा नीति नव भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी

महेंद्रगढ़। भारतीय शिक्षा नीति-2020 के तीन साल पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रगति मैदान नई दिल्ली में अखिल भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक खंड- 1 स्थित लघु सभागार में सीधा प्रसारण किया गया।

इस प्रसारण के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी प्रधानमंत्री के उद्बोधन के साक्षी बने। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में नींव का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में शोध, नवाचार और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में अध्ययन का प्रावधान किया

भारतीय सेना के बलिदान को नमनः प्रो. टंकेश्वर

कारगिल विजय दिवस पर विद्या वीरता स्थल पर पुष्प अर्पित कर जवानों को दी श्रद्धांजलि

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को नमन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खण्ड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर सेना के वीर योद्धाओं के त्याग, बलिदान व देश के प्रति समर्पण को याद किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचायक है। इस युद्ध की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कुलपति ने इस लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया और उसे सर्वोच्च बलिदान बताया। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के परिणाम ने एक बार फिर से साबित किया कि भारतीय सेना सीमा की रक्षा करने और दुश्मन को मुँह तोड़ जबाव देने में पूरी तरह से सक्षम है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कारगिल की विजय पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी इस अवसर पर वीर सैनिकों के बलिदान को याद किया और कहा कि हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. संजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. संतोष सीएच, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. रणवीर सिंह, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. अंतरेश, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. सुनीता तंवर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेवि में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु योजनागत प्रयास जारी

ह्यूमन इंडिया/मनोज गोयल
गुडियानिया

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन को तीन वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इस मौके पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु जारी चरणबद्ध प्रयासों और भविष्य की राह पर केंद्रित बुकलेट तैयार की गई है। इस बुकलेट का विमोचन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार 25 जुलाई को किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. ताहिर हुसैन, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि एनईपी-2020 के चरणबद्ध कार्यान्वयन की तीन साल की यात्रा ने हमें सिखाया है कि एनईपी-2020 एक बहुआयामी दस्तावेज है जिसमें इसमें निहित उदात्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों और उनके माता-पिता, शिक्षकों और प्रशासकों के बीच गहन विचार-मंथन की आवश्यकता है। शिक्षा नीति लैब व लैंड एक बीच संपर्क स्थापित कर सामुदायिक भागीदारी पर जोर देती है जो नए व आधुनिक भारत के विकास के लिए बहुत ही जरूरी है। कुलपति ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एनईपी-2020 को चरणबद्ध तरीके से लागू करने में सफल रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति शत-प्रतिशत विश्वविद्यालय में लागू हो इसके लिए बी.एससी-एमएससी इंटीग्रेटिड 4 वर्षीय यूजी, 4 वर्षीय बी.ए.बी.एड कार्यक्रम, यूजी, पीजी व एकीकृत कार्यक्रमों में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और मल्टीपल एंट्री और एग्जिट विकल्पों को पाठयक्रमों का हिस्सा बनाया गया है और यह बुकलेट विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रयासों और भविष्य की कार्ययोजनाओं का एक दस्तावेजीकरण है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो. ताहिर हुसैन ने इस बुकलेट का अवलोकन करने के बाद कहा कि अवश्य ही यह शिक्षा नीति के क्रियान्वन की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों को प्रदर्शित करती है। उन्होंने विश्वविद्यालय कर विभिन्न कोशिशों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यकीनन विश्वविद्यालय सही मार्ग पर अग्रसर है।

इस मौके पर उपस्थित शैक्षणिक अधिष्ठाता व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर केंद्रित बुकलेट के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा मई 202[illegible] 'एनईपी 2020 कार्यान्वयन [illegible] राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा: ने[illegible] क्रेडिट फ्रेमवर्क, इंडियन नॉले[illegible] सिस्टम और मूल्य प्रवाह' विषय पर आयोजित विशेष कार्यशाला पर आधारित विस्तृत रिपोर्ट को भी बुकलेट के रूप में तैयार किया गया है। अवश्य ही यह दस्तावेज भी भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रचार प्रसार के साथ शिक्षा नीति के वैश्विक उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु नीति निर्माण में मददगार होगा।

NEP-2020: A POTENTIAL HARBINGER OFSUSTAINABLE FUTURE

The second decade of the twenty first century culminated with the appearance of National Education Policy-2020as a vision document for the sustainable future of the nation. NEP-2020 has not only ignited hope and aspirations among the students, parents, teachers and academic leaders but has also led in an era of enlightenment in Indian as well as International public sphere. It has set the tone for the legislators, policy makers and educationists to revamp entire system of education so as to provide education of international standard and at the same time focuson Indian tradition of knowledge. The Policy has paved the way for swift transition from western model of education to a system that integrates the essence of Indian thought in planning and dissemination of knowledge, cherishing great respect for ancient Indian discoveries, Indian languages, philosophers, thinkers, artists, scientists and legends. Diligent study of the policy suggests that Indian Knowledge System forms the foundational feature of the document, underlining the importance of reviving the valued past of India when it was universally hailed as the Visva Guru, and it rightly emphasizes that conservation and resurrection of Indian heritage and values is quite crucial for the self-esteem of a nation at the moment when India is aspiring to become "Aatamnirbhar" in all important spheres including science and technology, economy, diplomacy, trade and commerce anddefence infrastructure. It is generally observed that the discussion on restoring the glory of Indian Knowledge System interests the learners, teachers, thought leaders and general public alike. It is heartening to note that the UGC Guidelines on Indian Knowledge System and MulyaParvahare being deliberated, adopted and implemented with unmatched excitement in the campuses of higher education institutions. Such steps are energy boosters for the sensitive citizens who wish to cherish and nourish special respect for the golden ancient past of the country nurtured by unparalleled visionaries, statesmen, thinkers and true intellectuals in various domains of knowledge.The concepts of Professor of Practice, artists on campus, and inclusion of indigenous Indian knowledge into the curriculum are immensely helpful in restoration and revival of interest in the inherent beauty of our rich culture and heritage. The guiding factor behind NEP-2020 In the present context, India has proved it to the world that the existing Indian demography is a determining factor in the new world order where disruptive technology, artificial intelligence, machine learning, data science, quantum computing and other innovative pathways can be translated into sustainable pathways for human posterity only through the integration of science and spirituality, modernity and tradition, breakthrough innovations and ethical grooming, and global and local. NEP-2020 envisions that the goal of holistic growth for sustainable development may be achieved through an education that integrates arts and sciences; teaching and research; curricular, co-curricular and extra-curricular; creative and critical thinking; vocational and general education; values and skills; and technology and human aspects, by bridging the gap prevailing among different groups of learnersthrough adequate use of Technology-based education platforms such as Digital Infrastructure for Knowledge Sharing (DIKSHA), Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds (SWAYAM), SWAYAMPRABHA, and other innovative platforms under the ambit of National Educational Technology Forum (NETF). Considering the student as the fulcrum of education system, the Policy focuses on fostering the unique capabilities of each student by providing flexibility, choice and freedom for the learners to choose their learning trajectoriesand interests. To address the problem of student dropouts for varied reasons, NEP-2020 provides a unique solution through Academic Bank of Credits (ABC) that facilitatesMultiple Entry and Multiple Exit options for the students at different levels of education through assignment, accumulation, storage, transfer andredemption of credits. These initiatives shall help the learners to enjoy the freedom of horizontal and vertical mobility across the disciplines and institutions, while motivating them for lifelong learning opportunities. Released in April 2023, National Credit Framework (NCrF) also reiterates mainstreaming of vocational education with general education by presenting a unified credit accumulation and transfer framework for both vocational and general education, starting from school education to higher education. As a major breakthrough, the NCrfinstitutionalises mobility and equivalence between general and vocational education, recognition of prior learning and experiential learning, promotion of lifelong learning and continuous professional development of the learners who aspire to contribute to the growing economy of India through acquisition of skills required for their upward mobility. Similarly, ambitious provision of National Research Foundation (NRF)shall boost vibrant research and innovation culture across higher education institutions by funding competitive research, to promote research culture in academic institutions, through proper coordination betweenresearchers and relevant branches of government and industry partners. The institutional support of NRF is sure to sustain the ecosystem of outstanding research in the universities through funding, database of research to avoid duplication and to facilitate the latest research breakthroughs in the areas of national interest.It will serve as a robust institutional support for the potential researchers from across the disciplines, curtailing the possibility of obsolete and redundant researches. With such ambitious initiatives under the aegis of NEP-2020, India, which presently ranks fourth in research output, shall soon surpass its counterparts in terms of research output. NEP-2020 has triggered an unprecedented, phenomenal and comprehensive process of reforms at all levels of education where all the stakeholders are passionately engaged in the process of speeding the conversion of vision articulated in the document into a reality. It is heartening to share that the Central University of Haryana has been a pioneering university in phased implementation of NEP-2020. Some of the major initiatives of the university include— introduction of B.Sc-M. Sc Integrated programmes;4-year UG programme(s); 4-year B.A.-B.Ed programme; adoption and implementation of Academic Bank of Credits and Multiple Entry and Multiple Exit options in UG, PG and integrated programmes; courses on Indian Knowledge System and MulyaPravah; necessary NEP-2020 driven amendments in academic ordinances; adoption of UGC Guidelines for pursuing two academic programmes; Samarth-EGov Project for e-governance; Initiating appointment of Professors of Practice; curricular reforms in tune with UGC Curriculum and Credit Framework for UG Programmes; Archaeological Museum to conserve and preserve historical artefacts; Vice Chancellors' Workshop on National Credit Framework; Office of International Affairs; and many more. As the first instance, the university exercised the provision of Multiple Entry and Multiple Exit option by allowing a B.Tech student to exit so as to enable him to join as Agniveerwith permission to re-join if the term of his professional commitment in defence services is over after 4 years. The three-year journey of phased implementation of NEP-2020 has taught us that the NEP-2020 is a multifaceted document that requires rigorous brainstorming among the students and their parents, teachers and administrators for the realisation of the sublime objectives embedded in it.

हकेवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले हेतु पंजीकरण आज से

30 जुलाई तक करवा सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2023 के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजो के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुँच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण आज से शुरू हो रही हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 30 जुलाई तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह व डिप्टी नोडल ऑफिसर डॉ. जसवंत सिंह ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया आज 24 जुलाई से शुरू हो रही है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण 30 जुलाई, 2023 तक करवाया जा सकता है। इसके पश्चात 31 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मेरिट लिस्ट उपलब्ध करवाई जाएगी तथा श्रेणीवार मेरिट लिस्ट व पहली काउंसलिंग 01 अगस्त को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि दाखिले इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस व अन्य दिशा निर्देश आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

हकेवि में चार वर्षीय बीए बी.एड पाठ्यक्रम में पंजीकरण अब 25 जुलाई तक

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने बढ़ाई आवेदन की अंतिम तिथि

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध चार वर्षीय दी गई है। आवेदक नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) -2023 के अंतर्गत इस कोर्स में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ने के बाद कहा कि अवश्य ही इस शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कुल 50 सीटें उपलब्ध है जिसमें दाखिल के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास निर्धारित है। आवेदन जोकि शिक्षण के क्षेत्र में रूचि रखते है और इसमें आगे बढ़ने के इच्छुक है वो इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए अब आगामी 25 जुलाई, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी अभ्यर्थी को आवेदन करने में किसी प्रकार की कोई परेशानी हो तो विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग में आकर

हकेंवि के विद्यार्थियों को मिला रोजगार प्रशिक्षण का अवसर

चयनित छात्रों के साथ हकेंवि के शिक्षक ● सौ. एक्सप्रेस

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ विद्यार्थियों के पढ़ाई के साथ -साथ कौशल विकास व रोजगार के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के 24 विद्यार्थियों को रोजगार प्रशिक्षण के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित पांच सितारा होटलों में चयनित किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस सफलता के लिए विभाग व विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु महत्वपूर्ण हैं। इस प्रशिक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत प्रतिभागियों को विषय का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है और यही वजह कि पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण संबंधी पक्षों को महत्ता दी जा रही है।

विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रणबीर सिंह ने बताया कि चयनित 24 विद्यार्थियों को ताज होटल, तिरुपति, जेडब्ल्यू मेरिएट, नई दिल्ली, हयात प्लैस, वडोदरा, मेरिएट,भोपाल, द रिट्स, मुंबई और हयात रिजेन्सी, नई दिल्ली जैसे संस्थानों में चयनित किया गया है।

हकेंवि में 4 वर्षीय बीए बी.एड पाठ्यक्रम में पंजीकरण का अंतिम दिन कल

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग में उपलब्ध चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए बी.एड पाठ्यक्रम में पंजीकरण का कल बुधवार को अंतिम दिन है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम में दाखिले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जा रहे नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) -2023 के आधार पर करेगा, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। शिक्षक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि बीए बी.एड पाठ्यक्रम के अंतर्गत आगामी शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कुल 50 सीटें उपलब्ध है जिसमें दाखिल के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता बारहवीं पास निर्धारित है। आवेदन जोकि शिक्षण के क्षेत्र में रूचि रखते है और इसमें आगे बढ़ने के इच्छुक है वो इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए बुधवार 19 जुलाई 2023 तक आवेदन कर सकते हैं। एनटीए की ओर से एनसीईटी -2023 की परीक्षा के लिए शुरू ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 19 जुलाई तक चलेगी। जहां तक आवेदन की बात है तो ऑनलाइन आवेदन व दाखिले से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक https://ncet.samarth .ac.in/ पर लॉगइन कर सकते हैं।

तंजानिया के विवि के प्रतिनिधियों से मुलाकात की

डॉ. खेराज व डॉ. किरण रानी ने 47वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में लिया भाग

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के सहायक आचार्य डॉ. खेराज व डॉ. किरण रानी तंजानिया में 47वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले, दार एस सलाम (डीआईटीएफ), 2023 में भाग ले रहे हैं। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। आयोजन में हरियाणा पैवेलियन का उद्घाटन तंजानिया में भारतीय राजदूत बिनय श्रीकांत प्रधान द्वारा किया गया।

इस अवसर पर टैंट्रेड तंजानिया की महानिदेशक लतीफा, फोरेन कॉर्पोरेशन डिपार्टमेंट, हरियाणा के अशोक मीणा व सलाहकार पवन चौधरी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. खेराज व डॉ. किरण रानी ने गणमान्य को विश्वविद्यालय का स्मृति चिह्न भेंट किया।

मेले में हरियाणा पैवेलियन का उद्घाटन करते भारतीय राजदूत बिनय श्रीकांत प्रधान।

हकेंवि में स्वास्थ्य जांच शिविर, 55 लोगों ने करवाई जांच

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के स्वास्थ्य केंद्र में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। इसमें 55 लोगों ने जांच करवाई। इस अवसर पर भारत की अग्रणी डायग्नोस्टिक कंपनी रेडक्लिफ लैब्स एवं मुरारी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नारनौल द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य मनुष्य की बड़ी पूंजी है और इस तरह के आयोजन हमें विभिन्न बीमारियों से समय पर बचाव के लिए मददगार होते हैं। विवि के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रजत यादव व डॉ. हिना यादव ने बताया कि शिविर में मुरारी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, नारनौल के त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. आनंद शर्मा व रेडक्लिफ लैब्स की ओर से डॉ. गीता रानी, देवेंद्र सिंह, मनोज कुमार, प्रवीण कुमार, रोहित भाटी उपस्थित रहे। संवाद

शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट का सदस्य बना हकेवि

- कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हर्ष व्यक्त किया

एसआईसीआई की सदस्यता मिलने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव से मुलाकात करते डॉ. रमेश कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ प्रतिष्ठित शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) का सदस्य बन गया है। विश्वविद्यालय इस उपलब्धि के साथ आईआईटी, आईआईएम, एम्स व एनएलयू जैसे 142 प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों की सूची में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इससे संबंधित राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस सदस्यता के माध्यम से संगठन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित होगी और उपलब्ध संभावनाओं से विश्वविद्यालय भी लाभान्वित होगा। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस अवसर पर कहा कि अवश्य ही इस सदस्यता के माध्यम से एसआईसीआई के कार्यक्रमों व पहलों से विश्वविद्यालय के सहभागी लाभान्वित होंगे। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह संगठन भारत और कनाडा के शैक्षणिक संस्थानों, शोधकताओं, विद्यार्थियों एवं अन्य हितधारकों को हाथ मिलाने और सहयोग और ज्ञान साझा करने के विशाल अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करता है और साथ मिलकर काम करने का मौका देता है। डॉ. रमेश कुमार ने बताया की एसआईसीआई की सदस्यता मिलने से विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य व विद्यार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के ओर अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि हकेवि की यह सदस्यता अंतरराष्ट्रीय सहयोग और शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि एसआईसीआई एक अद्वितीय द्वि-राष्ट्रीय संगठन है, जो भारत और कनाडा की सरकारों द्वारा अधिदेशित है। 1968 में स्थापित इस संगठन ने दोनों देशों के बीच शैक्षिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हकेवि तीन विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों मिला रोजगार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के तीन विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित सरकारी संस्थानों में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज में प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अधिष्ठाता डॉ. फूल सिंह ने बताया कि बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी के तीन विद्यार्थियों कृष्णा मूर्ति कुमार, भानु प्रकाश व शिवम सैनी को देश की प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ है। इनमें कृष्णा मूर्ति कुमार व भानु कुमार का चयन चलार्थ पत्र मुद्रणालय में तथा शिवम सैनी का चयन भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, महाराष्ट्र में हुआ है। उन्होंने बताया कि तीनों विद्यार्थियों का चयन आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा की मेरिट के आधार पर हुआ है। यहां बता दें कि भारत प्रतिभूति मुद्रणालय व चलार्थ पत्र मुद्रणालय भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड की इकाई है, जो भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्वाधीन है। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, शिक्षक शम्मी, तरुण सिह व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के समन्वयक अनिल कुंडु ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

हकेवि के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा मैत्री क्रिकेट मैच का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के उद्देश्य से मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस क्रिकेट मैच में एमबीए-प्रथम वर्ष और एमबीए-द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। स्थानीय पाली गांव स्थित बाबा जयराम दास क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस मैच में एमबीए-प्रथम वर्ष की टीम ने जीत हासिल की। मैच में एमबीए प्रथम वर्ष के बलवान को मैन ऑफ द मैच, विपिन तंवर को बेस्ट बॉलर तथा कपिल को बेस्ट बेट्समैन के अवार्ड से पुरस्कृत किया गया। एमबीए प्रथम वर्ष की टीम का प्रतिनिधित्व नूतेश दीक्षित ने तथा एमबीए द्वितीय वर्ष की टीम का प्रतिनिधित्व शौर्यवर्धन ने किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मैत्री मैच का उद्घाटन करते हुए विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है और इस तरह के आयोजन इस दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने टॉस कर मैच का शुभारंभ किया। प्रो. सुषमा यादव ने खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के महत्व पर जोर दिया गया। प्रबंधन अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता तंवर ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी कुलपति, समकुलपति सहित प्रतिभागियों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. आशीष माथुर, डॉ. दिव्या व डॉ. अजय कुमार सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योग हमारी सांस्कृतिक विरासत की पहचान है: प्रोफेसर जगवंती देशवाल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा विशेषज्ञ

व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ व्याख्यान में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में योग विज्ञान की प्रोफेसर जगवंती देशवाल विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रोफेसर जगवंती देशवाल ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को योग के संदर्भ ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया ताकि योग के संबंध में समाज में प्रचलित भ्रांतियों को दूर करने में अपना योगदान दे सकें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के का माध्यम से विद्यार्थियों व शोधार्थियो के लिए विषय की समझ व कार्यक्षेत्र में हो रहे बदलावों को जानने की दृष्टि इस तरह के आयोजनों को मददगार बताया। उन्होंने विशेषज्ञ का आभार व्यक्त करते हुए विभाग की इस आयोजन के लिए सराहना की। विशेषज्ञ ने अपने संबोधन में महर्षि पतंजलि का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे उन्होंने योग के ज्ञान को सूत्रों में पिरोया। इसी प्रकार विद्यार्थी जब मूल साहित्य को पढ़ता है, तो उसे अपने साहित्य की सही जानकारी होती है, जो उसकी स्वयं की भ्रांति को भी दूर करता है और समाज की भ्रांतियों को दूर करने में सहयोगी बनता है। आपकी सफलता आपके साहित्यिक ज्ञान पर आधारित नहीं है, बल्कि उसमें साहित्य ज्ञान के साथ-साथ कौशल का भी समावेश होना आवश्यक है। इसी कौशल विकास के साथ रोजगार और स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय वह माध्यम है जो हमें न केवल सजग बनाता है। निरंतर, संतोष, तप, स्वाध्याय का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। स्वच्छता को अपने जीवन का अंग बनाइए, स्वयं को एक अच्छा नागरिक बनाते हुए अपने इतिहास और विरासत को पहचानिए। प्रो. देशवाल ने कहा कि योग हमारी सांस्कृतिक विरासत की एक पहचान है, जिसके हम सब वाहक हैं। इस विशेषज्ञ व्याख्यान में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नीलम सांगवान, शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल और सहायक आचार्य डॉ. नवीन के साथ-साथ विभाग के शोधार्थी प्रदीप कुमार, मोहित और रिद्धि अग्रवाल उपस्थित रहे।

हकेवि के विद्यार्थियों ने आईएएसी 2023 में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के भौतिकी और खगोल

भौतिकी विभाग के आठ विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी प्रतियोगिता-2023 में शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए शैक्षणिक मोर्चे पर और ऊंचाई हासिल करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने भौतिकी विभाग द्वारा लिए गए 6 इंच के नए टेलीस्कोप का भी उल्लेख किया और कहा कि इनके उपयोग से विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग में जारी शोध व अध्ययन-अध्यापन की गतिविधियों का विस्तार होगा।

यहां बता दें कि आईएएसी विश्वभर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित होने वाली एक ऑनलाइन खगोल विज्ञान प्रतियोगिता है। जिसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की तान्या तन्वी को स्वर्ण, तरूण, प्रिया मित्तल, गिरदीश लैशराम को रजत जबकि शुभम पथी, वसुधा, तानिया और रोहित जांगिड़ को कांस्य सम्मान मिला। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव तथा प्रो. पवन कुमार ने विजेताओं को कड़ी मेहनत करने और विश्व स्तर पर अपना और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर भौतिकी विभाग के संकाय सदस्य डॉ. राकेश कुमार, प्रो. सुनील कुमार, प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह, डॉ. अंकुश, डॉ. रामोवतार, डॉ. जसवन्त यादव, डॉ. रमनदीप, डॉ. मीनू ठाकुर, डॉ. रजनी बंसल, डॉ. यशवीर कलकल, डॉ. चंदानी, डॉ. अंशू उपस्थित रहे।